International Journal of Multidisciplinary Education and Research
ISSN: 2455-4588; Impact Factor: RJIF 5.12
Received: 24-06-2019; Accepted: 28-07-2019
www.educationjournal.in
Volume 4; Issue 5; September 2019; Page No. 93-94

यूनेस्को का गठन, उद्देश्य, कार्य एवं उपलब्धियाँ

डॉ. मुकेश कुमार
सहायक प्रोफेसर, एल.एन.टी. शिक्षण महाविद्यालय, पानीपत, हरियाणा, भारत

सारांश
यूनेस्को (UNESCO) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational Scientific and Cultural Organization) का लघु रूप है। यह संयुक्त राष्ट्र का एक घटक निकाय है। इसका गठन 4 नवम्बर 1946 को हुआ था। इसका उद्देश्य शिक्षा एवं संस्कृति के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से शांति और सुरक्षा की स्थापना करना है, ताकि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में वर्णित न्याय, कानून का राज, मानवाधिकार एवं मौलिक स्वतंत्रता हेतु वैश्विक सहमति बने। इसका कार्य शिक्षा, प्रकृति तथा समाज विज्ञान, संस्कृति तथा संचार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देना है।
यूनेस्को के 195 सदस्य देश हैं और 11 सहयोगी सदस्य देश और दो पर्यवेक्षक सदस्य देश हैं। इसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है। दुनियाभर के 332 अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठनों के साथ यूनेस्को के संबंध हैं। वर्तमान में यूनेस्को के महानिदेशक आंद्रे एंजोले हैं। भारत सन् 1946 से ही यूनेस्को का सदस्य देश है।

मूल शब्द: देश, वर्तमान, महानिदेशक, स्वतंत्रता

प्रस्तावना
अन्तरराष्ट्रीय श्रम संगठन के पश्चात् संयुक्त राष्ट्र संघ के विशिष्ट अभिकरणों में सर्वाधिक सफलता यूनेस्को को प्राप्त हुई है। इसकी स्थापना 1 नवम्बर से 16 नवम्बर 1945 तक हुए एक सम्मेलन के फलस्वरूप हुई। इस सम्मेलन में 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंग्लैंड तथा फ्रांस की सरकारों के प्रतिनिधियों ने इस संगठन के संविधान का निर्माण किया और 4 नवम्बर 1946 को इसकी विधिवत् स्थापना हुई। आरंभ में केवल 20 राज्य इसके सदस्य थे, परंतु अब यह संख्या 180 से ऊपर पहुँच चुकी है। संयुक्त राष्ट्र संघ का कोई भी सदस्य यूनेस्को का सदस्य बन सकता है। जो राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य नहीं हैं वे भी यूनेस्को की सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु ऐसे राष्ट्रों की सदस्यता हेतु कार्यकारिणी मण्डल की सिफारिश पर यूनेस्को की सामान्य सभा में उपस्थित सदस्यों की 2/3 बहुमत से स्वीकृति मिलनी चाहिए।

उद्देश्य तथा सिद्धांत
यूनेस्को के संविधान में इसके उद्देश्यों को स्पष्ट कर दिया गया है। इसके संविधान की भूमिका में लिखा है कि "चूंकि युद्ध पहले मनुष्यों के मस्तिष्कों में पैदा होते हैं, अतः मनुष्यों में ही शांति की सुरक्षा के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए।" इस प्रकार यूनेस्को का मुख्य उद्देश्य मानव हृदयों को इस प्रकार बदलना है कि युद्ध की संभावना समाप्त हो जाए। इस संस्था का लक्ष्य "राष्ट्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के माध्यम से न्याय, कानून के शासन, मानव अधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति सभी लोगों में आदर की भावना उत्पन्न करना है।"
महान उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यूनेस्को विश्व के विभिन्न राष्ट्रों के बीच सहयोग की वृद्धि करता है। यूनेस्को के संविधान की प्रस्तावना में यह स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि मानव जाति के इतिहास में एक दूसरे के जीवन और ढंग के संबंध में अज्ञान सामान्यतः मानव–मानव के बीच सन्देह अविश्वास को जन्म देता है तथा इन मतभेदों के परिणामस्वरूप ही युद्ध होते हैं। संक्षेप में यूनेस्को का उद्देश्य शांति एवं सुरक्षा के लिए योगदान करना है, जिसकी प्राप्ति हेतु शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के द्वारा राष्ट्रों के बीच निकटता की भावना का निर्माण करने में सहायक होती है। इसके द्वारा शिक्षा, संस्कृति, ज्ञान तथा मैत्री को प्रबल समर्थन मिलता है।

यूनेस्को का गठन
यूनेस्को के तीन प्रमुख अंग हैं
1. सामान्य सभा
2. कार्यकारिणी मण्डल
3. सचिवालय

1. **सामान्य सभाः** इसमें संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। सभी की बैठक वर्ष में कम से कम दो बार होती है। यूनेस्को की नीति, कार्यक्रम तथा बजट भी निश्चित करती है। इस सभा के अधिवेशन विश्व की महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं मानसिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए एक मंच का काम करते हैं। कार्यकारिणी मण्डल के सदस्यों तथा सचिवालय के महानिदेशक का चुनाव भी सामान्य सभा के द्वारा किया जाता है।
2. **कार्यकारिणी मण्डलः** कार्यकारिणी मण्डल में इस समय 30 सदस्य हैं, जिनका चुनाव सामान्य सभा के द्वारा किया जाता है। इसकी भी वर्ष में कम से कम दो बैठक अनिवार्य हैं। इस मंडल का मुख्य कार्य सामान्य सभा द्वारा निर्धारित नीतियों तथा कार्यक्रमों को क्रियान्वित करना है।
3. **सचिवालयः** यूनेस्को का तीसरा अंग सचिवालय है। जिसे प्रायः विशेषज्ञों का आगार कहा जाता है। इसका प्रमुख अधिकारी 'महानिदेशक' होता है। इसका मुख्य कार्यालय पेरिस (फ्रांस) में है। इसमें 1000 के लगभग कर्मचारी कार्य करते हैं। उसका कार्यकाल नौ वर्ष होता है।

यूनेस्को ने अपने कार्य को ठीक ढंग से चलाने के लिए उसके छः मुख्य अंगों के अतिरिक्त कुछ अन्य विभागों का भी गठन किया

है। ये इस प्रकार हैं –
1. अन्तरराष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ
2. दर्शन और मानवतावादी अध्ययन की अन्तरराष्ट्रीय परिषद्
3. अन्तरराष्ट्रीय नाट्य संस्थान
4. ;अपद्ध तुलनात्मक विधि की अन्तरराष्ट्रीय विधि
5. अन्तर्राष्ट्रीय संगीत परिषद्

सदस्यताः संयुक्त राष्ट्र का कोई भी सदस्य यूनेस्को का सदस्य बन सकता है। जो राज्य संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य नहीं हैं, वे भी यूनेस्को की सहायता प्राप्त कर सकते हैं, परन्तु राज्य सदस्यता के लिए कार्यकारिणी मण्डल की सिफारिश पर सामान्य सदस्यों में उपस्थित दोनों सदस्यों के बहुमत से स्वीकृति मिलनी चाहिए।

यूनेस्को के कार्य एवं उपलब्धियाँ

न्छम्ैब्ब् का लक्ष्य शिक्षा और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देकर शान्ति और सुरक्षा में योगदान करना है। इसका कार्य–क्षेत्र बहुत विस्तृत है और यह संगठन विविध प्रकार के कार्य करता है। इसके कार्य–क्षेत्र की व्यापकता पर रोचक ढंग से प्रकाश डालते हुए ईगलटन ने लिखा है कि "यूनेस्को के कार्य–कलाप का विस्तार अत्यन्त व्यापक है।"
यूनेस्को के कार्यों को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा जाता है –; पद्ध सामान्य कार्य तथा ;पपद्ध विशेष कार्य। सामान्य श्रेणी के अन्तर्गत वे कार्य आते हैं जो सभी सदस्य–राज्यों से संबंध रखते हैं, जो इस संस्था के अन्तर्गत कार्य–क्षेत्र से संबंधित हैं और जो लगातार व नियमित रूप से किये जाते हैं। विशेष श्रेणी के अन्तर्गत वे कार्य होते हैं जो सदस्य राज्यों की विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किए जाते हैं।

1. सामान्य कार्यः यूनेस्को के सामान्य कार्य निम्नलिखित हैं

(i) अन्तरराष्ट्रीय समझौते कराना: कुछ निश्चित क्षेत्रों में व्यवहार की एकरूपता लाने के लिए सदस्य राज्यों के मध्य समझौते कराना। उदाहरण के लिए 1952 में स्वीकृत सर्वव्यापी प्रतिलिप्याधिकार समझौता लेखकों, कलाकारों आदि के अधिकारों की रक्षा करता है। उसने युद्धों के दौरान सांस्कृतिक सम्पत्ति आदि के अधिकारों के लिए समझौते कराए हैं।
(ii) राष्ट्रीय आयोगों का विकासः राष्ट्रीय आयोगों की स्थापना के लिए न केवल प्रेरणा, बल्कि आ र्थक सहायता भी देना इसका कार्य है।
(iii) विशेषज्ञों में सहयोग का विकास – विशेषज्ञों का सहयोग पाने का प्रयास करना तथा विशेषज्ञों में सहयोग की भावना विकसित करना। अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय संघ, चिकित्सा विज्ञान संघ आदि की स्थापना को प्रोत्साहन देना।

2. विशेष कार्यः यूनेस्को के विशिष्ट कार्यों में निम्नलिखित शिक्षा–संबंधी कार्य, विज्ञान की उन्नति से संबंधित तथा सांस्कृतिक कार्य शामिल हैं –
(i) शिक्षा–संबंधी कार्यः यूनेस्को के शिक्षा संबंधी कार्यों में तीन बातें शामिल हैं – शिक्षा का विस्तार, शिक्षा की उन्नति और शिक्षा में अन्तरराष्ट्रीय दृष्टिकोण। इस कार्यक्रम में विस्तार तथा बुनियादी शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। बुनियादी शिक्षा के प्रसार के लिए यूनेस्को ने कई देशों को विभिन्न तरीकों से सहायता प्रदान की है। यूनेस्को ने शिक्षा के प्रसार के लिए पुस्तकालयों और वाचनालयों की स्थापना भी की है। यूनेस्को ने शिक्षा तथा विज्ञान से संबंधित संगठनों को आर्थिक सहायता प्रदान की है, जिससे कि वे अपना कार्य भलीभांति कर सकें। ऐसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के उदाहरण हैं – अन्तरराष्ट्रीय नाट्य संस्थान, अंतरराष्ट्रीय संगीत परिषद् तथा तुलनात्मक विधि की अन्तरराष्ट्रीय समिति इत्यादि। इसके अतिरिक्त यूनेस्को द्वारा दी गई सहायता से समय–समय पर सम्मेलनों तथा गोष्ठियों का आयोजन किया जाता है।
(ii) विज्ञानः यूनेस्को का दूसरा महत्त्वपूर्ण कार्य है विज्ञान का विकास। इसमें प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके द्वारा समय–समय पर विश्व भर के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों तथा गोष्ठियों का आयोजन किया गया है। इसने मरु को उपजाऊ बनाने के संबंध में अनुसंधान किया है और मरुस्थल को भूमि के प्रसार को रोकने के लिए प्रयत्न किये हैं।
(iii) संस्कृतिः यूनेस्को मानव जाति की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रयत्नशील है। विभिन्न कलाओं के संबंध में समय–समय पर सम्मेलनों तथा विचार–गोष्ठियों को आयोजित किया जाता है, जिनके माध्यम से सांस्कृतिक आदान–प्रदान होता है। यूनेस्को कलाकारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। यह सांस्कृतिक संस्थाओं को आर्थिक अनुदान देता है। यह पुस्तकालयों को, नव–साक्षरों तथा अंधों के लिए महत्त्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहा है।
(iv) जन–संचारणः यूनेस्को ने अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जन–संचारण पर अत्यधिक ध्यान दिया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न देशों के विद्वानों को दूसरे देशों में भेजा जाता है और विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। यूनेस्को ने सन् 1957 में फ्रांस के स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की उच्च शिक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय केन्द्र स्थापित करने में योगदान दिया है।
(v) विद्वानों का आदान–प्रदानः अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को सदस्य राज्यों के विद्वानों का आदान–प्रदान करता है।

3. फुटकर कार्य ऊपर दिए गए मुख्य कार्यों के अतिरिक्त यूनेस्को द्वारा कुछ कार्य भी किए गए हैं। ये इस प्रकार हैं –
1. सन् 1952 के यूनिवर्सल कॉपीराईट कन्वैंशन के माध्यम से लेखकों एवं कलाकारों के हितों की रक्षा की है।
2. यूनेस्को आगामी विकास योजना द्वारा किए गए अनुसंधानों के आधार पर विभिन्न देशों के लोगों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयत्न करता है।
3. यूनेस्को ने कई विकसित देशों – अमेरिका तथा कनाडा आदि की समाजसेवी संस्थाओं द्वारा धन इकट्ठा करके विभिन्न देशों के शरणार्थियों के पुनर्वास की व्यवस्था की है।

निष्कर्ष

यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र संघ का एक हिस्सा है। इसकी स्थापना का मकसद दुनिया में शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के साथ–साथ शांति स्थापित करना है। इसका गठन 16 नवम्बर 1945 को हुआ था। इसका पूरा नाम यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल साइंटिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन है। इसका स्थायी मुख्यालय फ्रांस के पेरिस में है। यूनेस्को के सदस्य राष्ट्रों की कुल संख्या 195 है। इसके सात सहयोगी सदस्य और दो पर्यवेक्षक देश हैं। पूरी दुनिया में इसके 21 राष्ट्रीय कार्यालय हैं।

संदर्भ सुचि

1. अध्यापक शिक्षा, व.य.खु.वि. कोटा (राजस्थान) की अध्ययन सामग्री
2. htm.wikipedia.org
3. navbharattimes.com, 16 Nov. 2018